INTERNATIONAL JOURNAL OF SCIENTIFIC INFORMATION

www.jsiinternational.com **ISSN: 2583-8512**

शोध लेख

बागवानी कृषि में फसल विविधता के संदर्भ में फतेहाबाद जिले का एक अध्ययन

आनन्द कुमार*, राजेश मलिक

भूगोल विभाग, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर–124021, रोहतक (हरियाणा)

* संबंधित लेखक

Email: **anandbhambhu19@gmail.com**

लेख प्राप्त हुआ: 21/08/24 **संसोधन दिनांक**: 2/09/24 **प्रकाशन हेतु स्वीकृत**: 14/09/24

शोध–सार:–

फतेहाबाद हरियाणा राज्य के पश्चिमी भाग में स्थित है। इसकी उत्तरी सीमा पंजाब राज्य से लगती है। फतेहाबाद के पश्चिमी भाग में सिरसा, दक्षिणी भाग में हिसार तथा पूर्वी भाग में जींद स्थित है। फतेहाबाद का एक छोटा–सा हिस्सा राजस्थान से भी लगता है। भारत देश के आंतरिक भाग में स्थित होने के कारण यहाँ की जलवायु महाद्वीपीय और अर्ध–शुष्क प्रकार की है। राजस्थान के नजदीक स्थित होने के कारण ग्रीष्म ऋतु में खासकर मई–जून के महीने में तापमान अत्यधिक हो जाता है और यहाँ अक्सर धूल भरी आंधियाँ चलती है। इसके विपरीत शीत ऋतु में यहाँ कड़ाके की सर्दी पड़ती है और तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक भी हो जाता है। इस क्षेत्र में अधिकतर वर्षा मानसून के दौरान जुलाई से सितंबर के महीने में होती है।

फतेहाबाद में कृषि उन्नत अवस्था में है। जिसका मुख्य कारण इस क्षेत्र की जलवायु, उपजाऊ मिट्टी, सिंचाई की उपलब्ध सुविधाएँ आदि है। बागवानी फसलों के उत्पादन में यह क्षेत्र हरियाणा के अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ी हुई अवस्था में है। कुछ विशेष प्रकार के बागवानी फसलों की खेती ही इस क्षेत्र के किसानों द्वारा किए जाती है। 2011 के आंकड़ों के अनुसार, फतेहाबाद की कुल जनसंख्या 9,42,000 है। इसका जनसंख्या घनत्व 371 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। इस क्षेत्र की अधिकतर जनसंख्या गांवों में निवास करती है और कृषि पर निर्भर है। बागवानी के क्षेत्र में फतेहाबाद जिला हरियाणा के अन्य जिलों के मुकाबले पिछड़ा हुआ है, सरकार द्वारा किसानों को बागवानी संबंधी जानकारी देने की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द:– कृषि, जलवायु, तापमान, वर्षा, किसान, बागवानी, फसल, आय, सरकार।

परिचय:–

हरियाणा राज्य के पश्चिमी भाग में फतेहाबाद स्थित है। इसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2538 वर्ग किलोमीटर है जोकि हरियाणा के कुल क्षेत्रफल का 5.4% है। यह जिला 29°15′00″ उत्तर और 29°49′15″ उत्तरी अक्षांश तथा 75°13′15″ पूर्व और 75°57′54″ पूर्वी देशांतर के बीच स्थित है। इसके कुल क्षेत्रफल में से 2503.26 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र ग्रामीण भाग के अंतर्गत आता है, जबकि 34.74 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र शहरी भाग के अंतर्गत आता है। फतेहाबाद की पूर्वी सीमा जींद जिले से लगती है जबकि दक्षिण–पूर्व की तरफ का भाग हिसार जिले से जुड़ा हुआ है। इसकी उत्तरी सीमा पंजाब राज्य से लगती है, जबकि दक्षिण–पश्चिम में इस जिले का एक छोटा–सा हिस्सा राजस्थान राज्य से भी लगता है। इस प्रकार फतेहाबाद जिला दो राज्यों पंजाब एवं राजस्थान के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

2011 की जनसंख्या के अनुसार, फतेहाबाद जिले की कुल जनसंख्या 9,42,000 है। इसका जनसंख्या घनत्व 371 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। 2011 के अनुसार, कुल जनसंख्या का 19.06% शहरों में तथा 80.94% गांवों में निवास करता है। फतेहाबाद को तीन उप मंडलों फतेहाबाद, रतिया व टोहाना में विभाजित किया गया है। फतेहाबाद में कृषि उन्नत अवस्था में है। इस क्षेत्र में धान एक मुख्य खरीफ फसल है, जोकि रतिया, टोहाना, भूना, जाखल आदि के क्षेत्रों में मुख्य रूप से उगाई जाती है। इसके अलावा फतेहाबाद के पश्चिमी और दक्षिणी भाग में कपास तथा बाजरा की खेती की जाती है। इस क्षेत्र में गेहूं एक मुख्य रबी फसल है। इसके साथ–साथ हिसार, सिरसा और राजस्थान के साथ लगते क्षेत्रों में सरसों की फसल भी देखने को मिलती है। फतेहाबाद की भौगोलिक स्थिती बागवानी के लिए उपयुक्त है। यहाँ के किसान परंपरागत खेती को छोड़कर बागवानी कृषि की तरह ध्यान देने लगे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है।

ऐतिहासिकता:–

फतेहाबाद जिले का इतिहास बहुत ही प्राचीन और स्वर्णिम रहा है। प्राचीन सभ्यताओं के मिले अवशेषों से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फतेहाबाद का इतिहास 5000 साल या उससे भी पुराना रहा है। फतेहाबाद में स्थित बनावली प्राचीन स्थल है। बनावली में खुदाई के साक्ष्य जिले के इतिहास के शुरुआती चरणों की जानकारी देते हैं। यहाँ सबसे पहले आकर बसने वाले लोग पूर्व हड़प्पा वासी थे, जो तीसरी सहस्त्राब्दी ईसा पूर्व पूर्वार्ध में उत्तरी राजस्थान से बनावली में चले आए थे। ये लोग अपना घर भट्टी में पकी हुई पक्की ईंटों से बनाते थे तथा जल निकासी के लिए नालियों का निर्माण करते थे। इसके साथ–साथ विभिन्न धातुओं से आभूषण भी तैयार करते थे।

ऐसा माना जाता है कि महाभारत काल में यह क्षेत्र पांडवों और उनके उत्तराधिकारियों के राज्य का हिस्सा था। प्राचीन काल में यहाँ भील जनजाति निवास करती थी। इस क्षेत्र में अशोक स्तंभों की खोज से संकेत

मिलता है, कि यह क्षेत्र प्राचीन काल में मौर्य साम्राज्य का हिस्सा रहा है। मध्य काल में इस क्षेत्र पर तुगलक वंश के राजाओं ने शासन किया और धीरे–धीरे यह क्षेत्र समृद्ध होता गया। इतिहास के अनुसार, फतेहाबाद की स्थापना 1351–1352 में तुगलक वंश के प्रसिद्ध शासक फिरोजशाह तुगलक ने की थी। इसका प्राचीन नाम इकदार था। फिरोजशाह तुगलक द्वारा किले की बड़ी दीवारें बनवाई गई तथा पानी की कमी को दूर करने व किले की सुरक्षा के लिए चिली झील बनाई गई। फिरोजशाह तुगलक के बेटे फतेह खान के नाम पर इसका नाम फतेहाबाद रखा गया है।

सन् 1388 में फिरोजशाह तुगलक की मृत्यु के बाद यह क्षेत्र पतन की ओर जाने लगा । सन् 1398 में तैमूर के आक्रमण के बाद इस क्षेत्र में जानमाल का काफी नुकसान हुआ। 16वीं सदी में यहाँ मुगल बाबर और हुमायूँ ने शासन किया। 19वीं सदी की शुरुआत में यह क्षेत्र अंग्रेजों के अधीन हो गया। सन् 1857 में अंग्रेजों के खिलाफ हुए विद्रोह में इस क्षेत्र के लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सन् 1947 में भारत की आजादी के समय यह क्षेत्र पंजाब राज्य का एक भाग था क्योंकि उस समय हरियाणा और पंजाब को संयुक्त रूप से पंजाब कहा जाता था। सन् 1966 में पंजाब और हरियाणा का विभाजन हुआ, जिससे यह क्षेत्र हरियाणा राज्य के अंतर्गत आ गया। 15 जुलाई 1997 को फतेहाबाद जिला हिसार जिले से अलग कर दिया गया। इसके पश्चात् इस क्षेत्र ने सामाजिक–आर्थिक रूप से बहुत तरक्की की। वर्तमान में इसे हरियाणा की पिंक सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

जलवायु:–

भौगोलिक स्थिति के अनुसार फतेहाबाद दक्षिण–पश्चिम मानसून क्षेत्र में स्थित है, जिससे यह क्षेत्र शुष्कता, तापमान में तेजी से उतार–चढ़ाव और अल्पवर्षा के लिए जाना जाता है। यहाँ की जलवायु उपोष्णकटिबंधीय महाद्वीपीय मॉनसूनी जलवायु है। फतेहाबाद की जलवायु को मुख्य रूप से चार ऋतुओं में बांटा जा सकता है:–

- **i** ग्रीष्म ऋतु (मध्य मार्च से जून के अंत तक)
- **ii** वर्षा ऋतु (जुलाई के आरंभ से मध्य सितंबर तक)
- **iii** वर्षा उपरांत (मध्य सितंबर से मध्य नवंबर तक)
- **iv** शरद ऋतु (मध्य नवंबर से मध्य मार्च तक)

ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत से में इस क्षेत्र का तापमान तेजी से बढ़ता है। फिर मई और जून के महीने में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुँच जाता है। यहाँ दक्षिण–पश्चिमी मानसून का मौसम जुलाई की शुरुआत से सितंबर मध्य तक रहता है। शरद ऋतु में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की–फुल्की बारिश होती है। फतेहाबाद में सामान्य वार्षिक वर्षा का लगभग 70% भाग जून से सितंबर के दौरान प्राप्त होता है।

फसल प्रतिरूप और कृषि:–

फतेहाबाद जिले में कृषि उन्नत अवस्था में है। यहाँ फसलों के अनुकूल जलवायु, उपजाऊ मृदा और सिंचाई की अच्छी सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण फसल उत्पादन अच्छा होता है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार, 59.37% किसान और कृषि मजदूर कृषि गतिविधियों में लगे हुए हैं। यहाँ तक कि 72.8% सीमांत श्रमिक भी कृषि गतिविधियों में लगे हुए हैं। इस क्षेत्र में उगाई जाने वाली फसलों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में विभाजित किया जाता है, जोकि निम्न है:–

i खरीफ फसलें

फतेहाबाद जिले में धान एक मुख्य खरीफ फसल है। यह मुख्यतः फतेहाबाद, टोहाना, भूना, जाखल आदि के क्षेत्र में उगाई जाती है। इसके साथ–साथ रेतीली जमीन वाले भागों में कपास तथा बाजरा की खेती भी की जाती है।

ii रबी फसलें

फतेहाबाद जिले में गेहूं एक मुख्य रबी फसल है। इसके साथ–साथ राजस्थान, हिसार और सिरसा के साथ लगते रेतीली जमीन वाले क्षेत्र में सरसों तथा चने की खेती भी की जाती है।

iii जायद फसलें

मध्य मार्च से लेकर मध्य जून तक कुछ क्षेत्रों में सब्जियां, दलहन फसलें तथा इसके साथ–साथ हरे चारे की फसलें उगाई जाती है, जिन्हें जायद फसलें कहा जाता है।

बागवानी:–

बागवानी एक ग्रीक शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ है उद्यान की खेती। हरियाणा में बागवानी विभाग सितंबर 1990 में कृषि विभाग से अलग हुआ था और अब पंचकूला में स्थित है।

बागवानी की शाखाएं

i पुष्पकृषि
ii शाक कृषि
iii फल कृषि
iv फल संरक्षण

फतेहाबाद में बागवानी फसलों का प्रतिरूप:–

छोटी जोत के किसानों के लिए कृषि में विविधिकरण करके उनकी आय को बढ़ाया जा सकता है। बागवानी कृषि छोटी जोत के किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। फतेहाबाद में किसानों द्वारा विभिन्न प्रकार की बागवानी फसलें उगाई जा रही है, जिनमें प्रमुख हैं, फलों, सब्जियों, पुष्पों, मसालों और मशरूम की खेती। फतेहाबाद में किसानों द्वारा बागवानी फसलों का निम्न प्रति रूप देखने को मिलता है।

फल फसलें:–

तालिका 1: *फतेहाबाद में फलों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

	वर्ष			
फल	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
अमरुद	124.96	106.2	84	35
साइटरस	22.2	36	64	40
तरबूज	20	22	239	110
खरबूजा	25	18	283	95

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2024

आरेख 1: *फतेहाबाद में फलों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

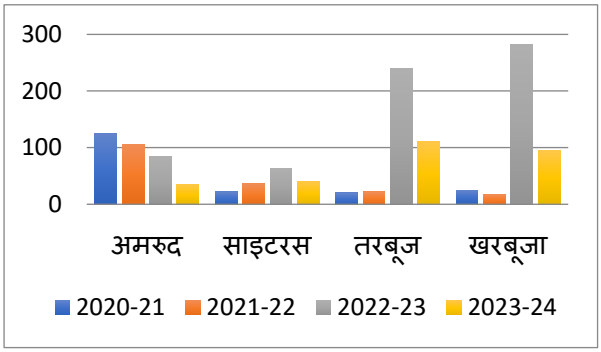

स्त्रोत: तालिका 1 पर आधारित

फतेहाबाद में मुख्य रूप से अमरूद, साइट्रस, तरबूज तथा खरबूजा की खेती की जाती है। अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक मुख्य फल फसलों का क्षेत्र उपरोक्त तालिका में दर्शाया गया है। इन फसलों के क्षेत्रफल में उपरोक्त वर्षों में उतार–चढ़ाव देखने को मिला है। इसके अलावा कुछ अन्य फल फसलों की खेती भी फतेहाबाद के क्षेत्र में देखने को मिलती है, जिसमें मुख्यतः आड़ू, बेर, अनार, स्ट्रॉबेरी, अंजीर, ड्रैगनफ्रूट आदि शामिल हैं।

शाकीय फसलें:–

तालिका 2: *फतेहाबाद में सब्जियों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

	वर्ष			
सब्जियाँ	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
आलू	565	540	620	858
गाजर	1160	1227	1250	710
मूली	2750	1660	1505	1565
फूलगोभी	3007	2695	3000	1800
हरी मिर्च	518	305	175	222
भिन्डी	1130	482	483	695

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2024

आरेख 2: *फतेहाबाद में सब्जियों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

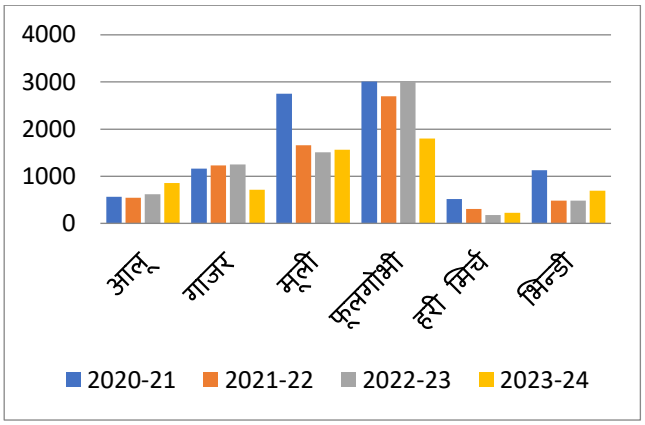

स्त्रोत: तालिका 2 पर आधारित

फतेहाबाद में मुख्य रूप से आलू, गाजर, मूली, फूलगोभी, हरी मिर्च, भिंडी आदि की खेती की जाती है। अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक मुख्य सब्जियों का क्षेत्र उपरोक्त तालिका में दर्शाया गया है। सब्जियों की खेती के क्षेत्रफल में उपरोक्त वर्षों में उतार–चढ़ाव देखने को मिला है। इसके अलावा कुछ अन्य सब्जियों की खेती भी फतेहाबाद के क्षेत्र में की जाती है, जिसमें

मुख्यतः प्याज, टमाटर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, बैगन, अरबी, मटर, खीरा, ककड़ी, कद्दू आदि शामिल हैं।

मसाला फसलें:–

तालिका 3: *फतेहाबाद में मसालों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

	वर्ष			
मसाले	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
लहसुन	125	20	25	63
मेथी	42	0	0	25
धनिया	10	2	0	2
हल्दी	0	2	0	0

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2024

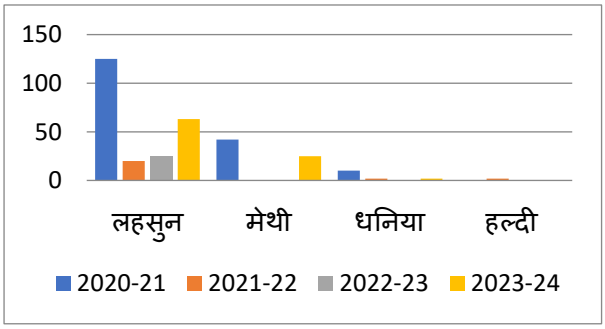

आरेख 3: *फतेहाबाद में मसालों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

स्त्रोत: तालिका 3 पर आधारित

फतेहाबाद में मसालों की खेती अन्य बागवानी फसलों के मुकाबले कम क्षेत्र में की जाती है। अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक उगाए गए मसालों का क्षेत्र उपरोक्त तालिका में दर्शाया गया है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से लहसुन, मेथी, धनिया तथा हल्दी की खेती की जाती है।

मशरूम कृषि:–

तालिका 4: *फतेहाबाद में मशरूम के अंतर्गत क्षेत्र ट्रे की संख्या में*

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
मशरुम	36400	1700	3200	7150

स्त्रोत: बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2024

आरेख 4: *फतेहाबाद में मशरूम के अंतर्गत क्षेत्र ट्रे की संख्या में*

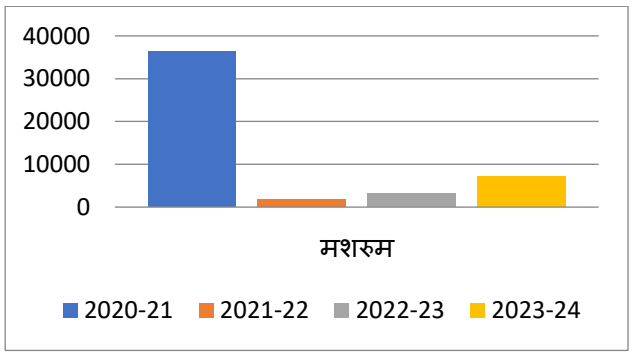

स्त्रोत: तालिका 4 पर आधारित

फतेहाबाद में मशरूम की खेती बहुत छोटे स्तर पर की जा रही है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से बटन मशरूम ही उगाया जाता है। इसके अलावा डिंगरी मशरूम भी देखने को मिलता है।

पुष्प फसलें:–

तालिका 5: *फतेहाबाद में पुष्पों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
गुलदाउदी	2	1.4	1	2

स्त्रोत:
बागवानी विभाग फतेहाबाद अप्रैल 2020 से मार्च 2024

आरेख 5: *फतेहाबाद में पुष्पों के अंतर्गत क्षेत्रफल हेक्टेयर में*

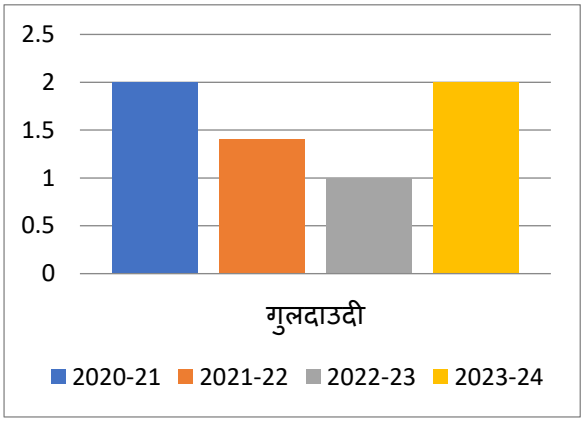

स्त्रोत: तालिका 5 पर आधारित

फतेहाबाद में अप्रैल 2020 से मार्च 2024 तक केवल एक ही पुष्प गुलदाउदी की खेती किसानों द्वारा की गई। इस क्षेत्र में पुष्प कृषि की तरफ किसानों का ध्यान कम है।

निष्कर्ष:–

फतेहाबाद के क्षेत्र में बागवानी फसलों में मुख्य रूप से कुछ फलों तथा सब्जियों की कृषि किसानों द्वारा की जाती है। इसके अलावा मसालों, पुष्पों तथा मशरूम की कृषि बहुत ही छोटे स्तर पर देखने को मिलती है। सरकार द्वारा बागवानी फसलों को बढ़ावा देने के लिए बागवानी फसलों से संबंधित उपयोगी नीतियों तथा किसानों को प्रशिक्षण देना चाहिए। छोटे स्तर के किसानों के लिए बागवानी कृषि के लिए विशेष रूप से योजना बनानी चाहिए। इसके साथ–साथ पॉलीहाउस, नेट हाउस, वॉक इन टनल, सब्जियों में बांस स्टेकिंग के लिए, सब्जियों में लोहे स्टेकिंग के लिए आदि सुविधाएं बड़े तथा छोटे दोनों स्तर के किसानों को उपलब्ध करवाकर उनकी आय को बढ़ाया जा सकता है। उस क्षेत्र की मांग के अनुसार बागवानी फसलों की खेती के बारे में किसानों को जागरूक करना चाहिये। इसके साथ–साथ बागवानी कृषि के दौरान किसानों के सामने आने वाली समस्याओं जिसमें मुख्यतः प्राकृतिक आपदाओं द्वारा नुकसान, बागवानी फसलों का मूल्य निर्धारण करना, शीत भंडारण की सुविधा, परिवहन की सुविधा, प्रशिक्षण की कमी आदि का निदान सरकार द्वारा किया जाना चाहिए।

संदर्भ–सूची:–

1. फतेहाबाद 2011, *जिला जनगणना पुस्तिका*, 17-45.
2. *हरियाणा का सांख्यिकीय सार*, 2011–12.
3. *जिला बागवानी विभाग*, फतेहाबाद, अप्रैल 2020 से मार्च 2024.
4. *दी सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ हॉर्टिकल्चर जर्नल ऑफ हॉर्टिकल्चर रिसर्च*, 2006.
5. *इंडियन हॉर्टिकल्चर डेटाबेस*, 2011, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड.
6. *हरियाणा में बागवानी विकास पर कार्य दल की रिपोर्ट*, हरियाणा किसान आयोग, चौधरी चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, परिसर, हिसार, 125004.

7. *हरियाणा में संरक्षित कृषि पर कार्य दल की रिपोर्ट*, हरियाणा किसान आयोग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, परिसर, हिसार, 125004.
8. *पत्रिका बागवानी विभाग हरियाणा*, उद्यान विभाग, सेक्टर 21, पंचकूला, 134112.

इस लेख को इस प्रकार उद्धृत करें: कुमार आनंद और मलिक राजेश बागवानी कृषि में फसल विविधता के संदर्भ में फतेहाबाद जिले का एक अध्ययन. *Int. J. Sci. Info. 2024; 1(9):-100-107.*

सहायता का स्रोत: शून्य, हितों का टकराव: कोई घोषित नहीं